(घ) कोटा जिले के छीपाबड़ौद कस्बे को रेल लाइन से कब तक जोड़ दिए जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० मल्लिकार्जुन) : (क) राजस्थान के निम्नलिखित जिला मुख्यालय रेल से जुड़े हुए नहीं हैं —

1. बांसवाड़ा
2. झालावाड़
3. सिरोही
4. टोंक

इन जिला मुख्यालयों को रेल लाइनों से जोड़ने के लिए कोई समय अनुसूची नहीं दी जा सकती क्योंकि ये किसी स्वीकृत कार्य के संरेखन में नहीं आते।

(ख) जी, नहीं।

(ग) 1.5.1989 से बीना-कोटा खंड के बीना-गुना-रूठियाई भाग में 4309/4310 उज्जैन-देहरादून-उज्जैनी एक्सप्रेस (सप्ताह में दो बार चलनेवाली) चल रही है।

(घ) चिपाबादोद टाउन में रेल संपर्क की व्यवस्था करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

खाद्यान्नों की उपलब्धता

19. डा० अबरार अहमद : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या वर्तमान में देश में खाद्यान्नों की उपलब्ध मात्रा हमारी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त है; यदि नहीं, तो किन-किन वस्तुओं की आपूर्ति कम है तथा इन वस्तुओं की मांग को किस प्रकार पूरा किया जा रहा है और इन वस्तुओं की आपूर्ति को सतत् रूप से बनाए रखने के संबंध में क्या-क्या कार्यक्रम बनाए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुलायपल्ली रामचंद्रन) : खाद्यान्नों की आवश्यकता की पूर्ति कुल मिलाकर, घरेलू उत्पादन से की जाती है। तथापि, दालों के मामले में कमी की पूर्ति आंशिक रूप से आयात करके की जाती है।

सरकार भविष्य में खाद्यान्नों की उपलब्धता बढ़ाने के लिये विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम, राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम, अनाज मिनीकिट कार्यक्रम, समेकित चावल विकास कार्यक्रम जैसे कार्यक्रम क्रियान्वित कर रही है। अन्य कार्यक्रमों, जैसे छोटे और सीमांत किसान विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय पनधारा विकास कार्यक्रम आदि में भी खाद्यान्नों सहित फसलों की उत्पादकता बढ़ाने की बात निहित है। दलहन विकास कार्यक्रम तिलहन और दलहन प्रौद्योगिकी मिशन के अंतर्गत लाये गये हैं, ताकि फसल उत्पादन, कटाई के बाद की और परिसंस्करण तकनीकों में सुधार लाया जा सके और किसानों को दी जाने वाली सेवाओं को सरल बनाया जा सके।

चीनी का उत्पादन

20. श्री राम जेठमालानी : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1990–91 के गन्ना-पिराई मौसम के दौरान, 1989–90 के गन्ना-पिराई मौसम की तुलना में, चीनी उत्पादन में तीव्र वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष चीनी का उत्पादन अनुमानतः कितना होगा;

(ग) क्या यह भी सच है कि चीनी के मूल्य में वृद्धि के कारण इस उत्पादन वृद्धि का लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचेगा; और

(घ) यदि हां, तो पिछले वर्ष की तुलना में अभी तक चीनी के मूल्य में